

## विचार बिन्दु

चरित्र मनुष्य के अन्दर रहता है, यश उसके बाहर। -अज्ञात

## आओ खेलें कृषि शिक्षा में एम.ओ.यू. का खेल

गुइयों हिंदी का शब्द है, जो भारत के तत्कालीन अवध और ब्रज के ग्रामीण परिवेश में बहुधा बोल जाता था। बचपन में मैं भी हम उम्र साथियों के साथ खेलते समय गुइयों सम्बोधन अपने मित्रों के लिए करते थे। होता यह था जब बच्चों का समूह बड़ा होता था तब कुछ बच्चे आयु के अंतर के कारण सामूहिक खेल से बिछड़ जाते और जब ऐसे बच्चों की संख्या चार-पांच हो जाती तब वे कुछ सोच कर मित्रवत मिल कर कहते कि हम लोग गुइयों हैं, अलग खेलेंगे। इसलिए इसका अर्थ— फ्रेंड-फ्रेंड; सखी-सखी; अथवा मित्र-मित्र। चौकिये नहीं, राजा साहब अवागड सूर्य पाल सिंह अपने गड में सखी समाज चलाते थे, जिसमें सभी पुरुष स्त्रियों की पोशाक धारण कर हार व्यवहार स्त्रियों की भांति ही करते। वैसे कोअंपरेशन का भी सिद्धांत यही है कि जब किसी अमुक स्थान पर लोग एक जैसी समस्या अथवा कठिनाई अनुभव करते हैं तब वे अपना समूह बना उस व्यवधान या कठिनाई को दूर करने का प्रयास करते हैं।

भारत में स्वतंत्रता के उपरांत जब शिक्षा का चहुमुखी विकास हुआ उस समय शिक्षण संस्थानों को अनेक प्रकार की समस्याएं सामने आईं। शिक्षा की गुणवत्ता के लिए तब सरकारी स्तर और प्राइवेट स्तर पर अच्छे अध्यापक विभिन्न कक्षाओं की पढाई के लिए निर्माण करने के लिए स्थानीय स्तर पर टीचर ट्रेनिंग महाविद्यालय आरम्भ किये गए। याद रहे अच्छे टीचर का कोई अन्य विकल्प है ही नहीं, अच्छी पाठ्य पुस्तक भी नहीं।

प्रयासों में नार्मल टीचर, एल टी, बीएड, एमएड आदि कोर्स प्रोग्राम शुरू हुए वही विज्ञान, प्रौद्योगिकी, तकनीकी और प्रोफेशनल विषय में उपयुक्त मानव संसाधन पैदा करने के लिए, कोर्स आरम्भ किये गए। टेक्निकल और प्रौद्योगिकी विषयों की पढाई सुदृढ़ करने के लिए कुछ विकसित देशों की सहायता भी ली गयी। इन प्रोग्रामों में टीसीएम, जो अमेरिका के साथ करार करके देश के कुछ महाविद्यालयों में शुरू हुआ, के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए वांछित विषयों में देश के कतिपय युवा टीचर्स को उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका भेजा गया। इन टीचर्स के महाविद्यालय को भी अमेरिका से कुछ आवश्यक वैज्ञानिक उपकरण भी मिले ताकि ट्रेनिंग पाया टीचर वापिस आकर अपने कार्य को बिना किसी व्यवधान के कर सके। देश के अधिकांश प्रदेशों में कृषि विश्वविद्यालय आरम्भ होने पर उच्च स्तर पर प्रशिक्षण फिर आवश्यक हो गया जिसमें इंडो-अमेरिकन जॉइंट प्रोग्राम 'यूपएसएड' के नाम से शुरू कर उच्च प्रशिक्षण की भी व्यवस्था हो गई, जो विभिन्न रहित वर्ष 1970-71 तक चालू रहा तदुपरांत भारत सरकार ने कुछ राजनैतिक कारणों से प्रोग्राम बंद कर दिया। लेकिन दूसरी तरफ कुछ व्यक्ति अपने स्तरों पर धन व अन्य संसाधन जुटा कर कई देशों में यथा ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान आदि देशों से उच्च शिक्षा ग्रहण करने जाते रहे, जो शिथिलीकरण के पश्चात् अभी भी जारी है।

वास्तव में पहले काफ़ी समय से ही फोर्ड फाउंडेशन, रॉकफेलर फाउंडेशन, कामनवेल्थ, जापान, डेनमार्क आदि अनेक देश पढाई के लिए वजीफा देकर भारत के वैज्ञानिकों को सरकारी व प्राइवेट स्तरों पर ज्ञान व गुणवत्ता वृद्धि में सहयोग करते रहे हैं और अभी भी अनेक देश भारत के छात्रों को अर्थसहायता कम खर्च में साईंस, मेडिकल और तकनीकी क्षेत्रों में भरपूर सुविधाएं दे रहे हैं। यूक्रेन रूस युद्ध के समय जब हजारों की संख्या में यूक्रेन से भारतीय छात्र निकाल दिए गए तब पता चला कि देश की कितनी बड़ी युवा संख्या विदेशों में अध्ययनरत है। लानत है देश के कर्णधारों पर कि सभी युवाओं को रोजगार जनक विषयों में वांछित शिक्षा सुविधा आजादी के सात दसक बीत जाने पर भी देश में उपलब्ध नहीं हो सकी है। किस बात पर सरकार अपनी पीठ थपथपाती रही है और अमृत महोत्सव मनवाने का नाटकीय खेल खेल रही है। देश का युवा इस खेल को भली भांति समझ रहा है।

लानत है देश के कर्णधारों पर कि सभी युवाओं को रोजगार जनक विषयों में वांछित शिक्षा सुविधा आजादी के सात दसक बीत जाने पर भी देश में उपलब्ध नहीं हो सकी है। किस बात पर सरकार अपनी पीठ थपथपाती रही है और अमृत महोत्सव मनवाने का नाटकीय खेल खेल रही है। देश का युवा इस खेल को भली भांति समझ रहा है।

किसी प्राइवेट काम के भी नहीं। अध्यापन और अनुसन्धान के लिए तो वे अनपढ़ ही रहेंगे। अनुसन्धान और शिक्षा का तो बंटोधार हो चुका है। पुरस्कारों का सम्मानना अब बिलकुल नहीं।

परन्तु आश्चर्य की बात ये है कि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, ऐंकेडिगेशन कौंसिल, छात्र, स्वयं और उनके अधिवाचक जो पढाई के लिए खर्चा वहन करते हैं, किसी को भी सरोकार नहीं कि उनका वार्ड कैसे शिक्षा प्राप्त कर रहा है? विश्व विद्यालयों के कुछ महाविद्यालयों में स्तिथि विकराल है लेकिन राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन कुन्डलीमार बेटे हैं वहीं अन्य मूक और लाचार हैं। प्रशासन में बेटे मंत्री, सचिव एवं उनके सहयोगियों में इतनी काबिलियत नहीं कि वे शिक्षा की गाडी को पटरि पर ला सकें। और तीस वर्ष पूर्व के स्तर पर कर सकें। देश की जनता के टेक्स से अर्जित धन की ऐसी बर्बादी अन्य किसी देश में देखने को नहीं मिल सकती। अतः "पुइयों गुइयों खेल देश प्रदेश को मुबारक हो।"

आधुनिक वैज्ञानिक स्टेट ऑफ आर्ट कई अति मॉडर्न उपकरण जो बीस वर्ष पूर्व खरीदे गए, जंक खा कर भंगार बन रहे हैं या बन गए हैं। ऐसे लेटेस्ट उपकरणों को संचालित करने को कभी वांछित मानव संसाधन उपलब्ध ही नहीं हुआ। इस पक्ष को देखने वाला कोई नहीं। राज्य के मुख्य मंत्री अपनी कुर्सी पर खुश, उनके सचिव अपने दफ्तर में खुश, क्योंकि जो धन अत्याकों के वेतन पर खर्च होता वह सब बच रहा है। मुख्य मंत्री उसे ऐसी किसी योजना पर डाइवर्ट कर सकते हैं जिससे उनकी पार्टी का वोट बैंक बढ़ता हो।

मुफ्त रेडिडियों देना भी एक वर्तमान में प्रचलित खेल हो सकता है। जनता और छात्रों को यह एहसास कराया जाता है कि दोनों पक्ष इससे लाभान्वित होंगे? अब इसका कोई मॉनिटरिंग तो होती नहीं, किस पक्ष को क्या लाभ हुआ और कितना? यह कभी प्रचारित नहीं किया जाता। दोनों पक्षों की तरफ दशा एक सी ही होती है अब दूसरा पक्ष अन्यत्र दूर होने से वहां जाने से रहा पता करने। यह तथाकथित एमओयू दोनों पक्षों की नाजुक स्तिथि को छिपाने का एक नायाब तरीका है। परन्तु इस पूरे गुइयों खेल का कोई लुजर है तो वह है छात्र। क्या कोई है उसकी परवाह करने वाला? गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा समय से उपलब्ध न होने के कारण उसका जीवन उद्देश्यहीन और दिशा हीन हो जाता है जिसकी बुराई जीवन पर्यन्त उसे भोगनी पड़ती है।

महाराणा प्रताप को पैदा कर राजस्थान ने तो एक कतिथ उनका डाल धारण कर ली है जो शताब्दियों तक सरकार की मूढ़ता और निकम्पेपन को बचाने में काम आएगी। सरकार में विपक्ष नीरस, भ्रष्ट और प्रमित है। सरकार की दोषपूर्ण कार्यों पर घेरने के लिए उसके पास कोई रचनात्मक योजना नहीं। अब तो किसी जयप्रकाश नारायण जो सरीखे व्यक्ति का उदय होना ही देश के युवाओं को संगठित कर सरकार को सही रास्ते चलने को विवश कर सकता है? काश यह शीघ्र संभव हो सके।

पाठकों को बताते चले कि एमओयू एक प्रकार का समझौता अथवा सहमति ज्ञापन होता है। शिक्षा के क्षेत्र में दो संस्थानों में जो पक्ष मजबूत होता है उसका लाभ दूसरे संस्थान को मिलता है। यदि उसके यहाँ वह पक्ष कमजोर है। देश में टोप नाँच संस्थानों की कमी नहीं है परन्तु एमओयू करने के इच्छुक संस्थान को से डेटाबेस बनाकर पहले से रखना चाहिए ताकि जरूरत होने पर वांछित संस्थान या वैज्ञानिक से संपर्क कर एमओयू के लिए पहले मौखिक सहमति बनाने में सुगमता आउटसोर्सिंग हो सके। इस व्यवस्था से अपेक्षाकृत लाभ कम होता है।

प्रत्युत इवेंट मैनेजमेंट के माध्यम से उपयुक्त इसके वैज्ञानिक किसी कार्य को संपन्न करने के लिए कुछ समय के लिए निर्धारित शर्तों पर आमंत्रित कर लिया जाय तो शिक्षा उत्तम हो सकती है। संस्थान अनेक ऐसे विषयों के लिए ऐसा कर सकते हैं जिनके लिए उनके यहाँ वांछित संसाधन कमजोर हों या बिलकुल नहीं हों। अभी तो कुलपति ही अपने स्तर पर एमओयू प्रतिपादित कर लेते हैं और उसकी खबर समाचार पत्रों में छपने भेज देते हैं। इस प्रकार कुलपति सदैव खबरों में रहने के कारण कर्मशील व क्रियाशील नजर आते हैं।

राज्य सरकार तकनीकी और प्रोफेशनल शिक्षा में उदासीन रुख क्यों रखती है? कृषि शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों में शिक्षा गुणवत्ता के प्रति उदासीनता चरम पर है। यह समझ से परे है कि लाभार्थी की ऐसी दशा क्यों? छात्रों की उदासीनता का ही प्रभाव विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार को अधिक उदासीन, जवाबदेहि रहित, और अंततः देश की भावी पीढ़ी को क्रियाशीलता व सृजनत्मकता को कुंठित कर भविष्य के विकास में परमानेंट रोडा बन चुका/रहा है। उस पर शिक्षा में भ्रष्टाचार का समावेश भी गहरी पैठ बना चुका है।

उपरोक्त लेख का संक्षिप्त सार अपने स्वयं के भविष्य पर सतत कुठाराघात होते छात्रों का स्वप्निल दशा में होना ही है।

-अतिथि सम्पादक,

प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,

(पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., उदयपुर)

# आठ पटवारियों के भरोसे चल रहे भिनाय के 48 पटवार मंडल

एक पटवारी पर पांच से अधिक पटवार मंडल का भार आ गया है

बान्दनवाड़ा, (निर्स)। भिनाय तहसील में पटवारियों की कमी के चलते किसानों, कारखानों व आम जनता को नकल, जमाबंदी सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। पटवारियों की कमी से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनके कामों का समय पर निस्तारण नहीं हो पा रहा है।

राजस्व से संबंधित मामलों का निस्तारण करने वाली भिनाय तहसील

क्षेत्र में 48 पटवार मंडलों में 48 पटवारी के पद सृजित हैं लेकिन लंबे समय से पटवारियों के 40 पद खाली पड़े होने के कारण 8 पटवारी ही 48 पटवार मंडलों का कार्य संभाल रहे हैं। वही भिनाय तहसील में 17 गिरदावर सफिकल में से मात्र 11 गिरदावर कार्यरत है। भिनाय पटवार मंडल में पटवारियों के 40 पद रिक्त होने के कारण एक पटवारी के कंधे पर 5 से अधिक पटवार मंडल का भार आ गया है। जिसका खामियाजा

कारखानों को भुगतान पड़ रहा है। जानकारी के अभाव में कारखाने जब

पटवार घर पर पहुंचते हैं तो वहां उन्हें ताला मिलता है और पूछने पर पटवारी के अन्य पटवार मंडल में होने की बात पता चलती है।

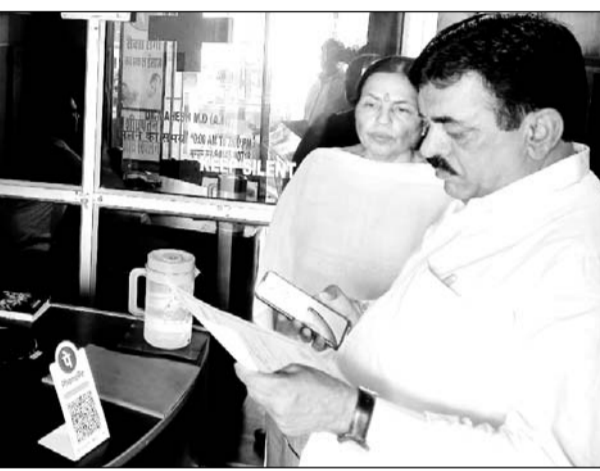
भिनाय तहसील में तीन उप तहसील नागोला, देवलिखा कला व बान्दनवाड़ा होने के बावजूद भी अजमेर जिले में सबसे कम पटवारी भिनाय तहसील में है। वहीं राज्य सरकार द्वारा तहसील व उप तहसीलों स्वीकृत व संचालित तो करा दी लेकिन पटवारी

व कर्मचारियों के बिना आमजन की समस्या जस की तस बनी हुई है। इन उप तहसीलों में नायब तहसीलदार, बाबू, एलआरओ, चुथुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद शुरू से ही रिक्त चल रहे हैं। इन उप तहसीलों में मात्र पंजीयन का कार्य हो रहा है। भिनाय उपखंड के टामापीणों के किसानों द्वारा लगातार जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र में पटवारी की कमी को लेकर अवगत कराया गया पर स्थिति आज तक जस की तस बनी हुई है।

## बिना मैडिकल डिग्री और रजिस्ट्रेशन के चल रहे क्लिनिक को चिकित्सा विभाग ने बंद करवाया

हनुमानगढ़, (निर्स)। सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त हुई शिकायत के आधार पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के निरीक्षण दल ने आज जंक्शन स्थित जसलोक दवाखाना पर दबिश दी। दवाखाना को चला रहे संचालक के पास ना तो कोई मेडिकल डिग्री मिली और ना ही उसके दवाखाना का रजिस्ट्रेशन किया हुआ था। निरीक्षण दल में स्वास्थ्य निरीक्षण संत कुमार बिशोई एवं हनुमानगढ़ बीसीएमओ डॉ. ज्योति धींगड़ा ने जसलोक दवाखाना को बंद करवाया तथा संचालक को जरूरी दस्तावेज दिखाने एवं रजिस्ट्रेशन करवाने के उपरांत ही दवाखाना का संचालन करने के निर्देश दिए।

सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि उन्हें जंक्शन स्थित जसलोक दवाखाना के संदर्भ में सम्पर्क पोर्टल पर एक शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत प्राप्त होने के उपरांत स्वास्थ्य विभाग की टीम



हनुमानगढ़ बीसीएमओ डॉ. ज्योति धींगड़ा ने क्लिनिक को सीज करने की कार्रवाई की।

को जसलोक दवाखाना पर उपस्थित संचालन कर रहा है। दवाखाना के व्यक्ति ने बताया कि उसका नाम महेश कुमार श्रोजत है और वह दवाखाना का एलोपैथी दवाई नहीं पाई गई। वहां पर

■ सम्पर्क पोर्टल पर शिकायत मिलने के बाद जंक्शन के संचालित क्लिनिक पर की कार्यवाही

क्लिनिक की तरह सजावट की गई थी। निरीक्षण दल ने जसलोक दवाखाना को तुरंत प्रभाव से बंद करवाया और संचालक को निर्देश दिए कि पर्याप्त दस्तावेज होने के बाद ही दवाखाना का संचालन किया जाए।

डॉ. नवनीत शर्मा ने कहा कि जिले में अनधिकृत रूप से चल रहे अस्पताल एवं अवैध चिकित्सकीय कार्य कर रहे लोगों पर चिकित्सा विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## बेटे और बहू ने वृद्ध पिता को घर से निकाला

डीडवाना, (निर्स)। जिस मां-बाप ने बुढ़ापे की लाठी समझकर बेटे को पाल पोस कर बड़ा किया उसी बेटे ने बुढ़ापे में लाठी बनने की जगह पिता को वृद्धावस्था में मारपीट कर घर के बाहर निकाल दिया। जिसकी वजह से वृद्ध पिता अब दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। यह कहानी है बुजुर्ग हेमराज की।

जिसने मात्र 9 साल की उम्र में ही मेहतत मजदूरी करके अपने परिवार को पालना शुरू किया। बड़ा हुआ तो परिवार की जिम्मेदारियां निभाने के लिए अपनी पूरी जवानी मेहतत मजदूरी में निकाल दी। अपनी कमाई से ही परिवार के लिए गांव में जमीन लेकर खुद की कमाई से



डीडवाना एसडीएम जीतू कुलहरी के सामने न्याय की मांग करता वृद्ध।

मकान बनवाया। 4 पुत्र थे लेकिन दो के अकाल मृत्यु हो गई। अब दो बेटे हैं

■ अन्य रिश्तेदारों और दूसरे बेटे को भी घर में नहीं आने दे रहे हैं

के पास रहने की चाह की तो बेटे बुढ़े ने घर के बिजली पानी के कनेक्शन कटवा दिए यहां पर भी बेटे बुढ़े की रिक्तम कम नहीं हुए बल्कि बुजुर्ग पिता को मारपीट कर घर से बेघर कर दिया और खुद ही मकान पर कब्जा कर बैठ गए। अब ना तो बेटे-बहू बुजुर्ग को घर में आने दे रहे हैं और ना ही अन्य रिश्तेदारों और दूसरे बेटे को घर में आने

दे रहे हैं। मजबूरन बुजुर्ग हेमराज को अब बेटे के घर में आश्रय लेना पड़ रहा है। मारपीट और घर से निकलने के बाद बुजुर्ग हेमराज ने पुलिस को भी इसकी शिकायत की लेकिन पुलिस ने भी केवल एल्पीकेशन लेकर इतिश्री कर ली। तीन साल से दर दर की ठोकरें खा रहे बुजुर्ग ने बुधवार को डीडवाना उपखंड अधिकारी जीतू कुलहरी के सामने अपनी पीड़ा रखकर न्याय की मांग की। उपखंड अधिकारी जीतू कुलहरी ने बुजुर्ग हेमराज की पीड़ा सुनकर उनको न्याय का आश्वासन दिया वहीं इस मामले में मौलासर थाना पुलिस को भी जांच कर त्वरित रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं।

## पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का पावटा आगमन पर स्वागत

पावटा, (निर्स)। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले व पश्चिमी बंगाल, गोवा व मेघालय के पूर्व राज्यपाल चौधरी सत्यपाल मलिक के बुधवार को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका आगमन पर महेश सारण के नेतृत्व में युवाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

युवा नेता रामकरण राठी ने बताया कि मलिक का दिल्ली से जयपुर जाते वक्त पावटा कस्बे में नवोदय कट पर जनप्रतिनिधियों, युवाओं, ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। राज्यपाल पद से काबालक पूर्ण होने के बाद वे पुनः किसान राजनीति की ओर अपने कदम बढ़ा रहे हैं। इसी क्रम में उनका राजस्थान दौरा प्रस्तावित है। वहीं उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं मां के पेट से गवर्नर पैदा नहीं हुआ, मैं तो लडते-झगडते इस पद तक पहुंचा हूँ। अगर एमएसपी पर सरकार ने



पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में राज्यपाल मलिक का युवाओं ने स्वागत किया।

कानून नहीं बनाया तो मैं पूरी ताकत से आंदोलन में कूदूंगा और पूरा देश घूमूंगा। उन्होंने देशभर के किसानों को साथ लेकर

बड़ा आंदोलन व एमएसपी का हक दिलाने की आवाज को बुलंद करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मेरे पास कुछ

नहीं है, इसलिए पंगा ले सकता हूँ। देश की संपत्तियों पर कब्जा जमाने वालों के खिलाफ किसानों को भी एकजुट होना

■ 'एमएसपी पर सरकार ने कानून नहीं बनाया तो मैं आंदोलन में कूदूंगा और पूरा देश घूमूंगा'

होगा। इसके साथ ही महिला शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में महेश सारण, विनोद पंडुडाला, रामकरण राठी, धीरज सारण, मनीष यादव, मनोज, गजराज, शिखर शर्मा, बलकेश चौधरी, प्रदीप बाज्या, पिंठू बाज्या, कैलाश जाट, विह्रम, अनिल यादव, रामसिंह, महेश राठी, अनिल ओला, वेदप्रकाश, सरजोत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

### राशिफल

गुरुवार 17 नवम्बर, 2022

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2079, मघा नक्षत्र रात्रि 9:20 तक, ऐंद्रयज्ञ योग रात्रि 1:23 तक, कौलव करण प्रातः 7:57 तक, चन्द्रमा सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-

सिंह, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज अष्टमी तिथि में वृद्धि हुई है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:12 तक, चर 10:52 से 12:12 तक, लाभ-अमृत 12:12 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:52, सूर्यास्त 5:32

**मेष**  
परिजन के व्यवहार के कारण मन व्यथित हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। जाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

**तुला**  
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अडचन दूर होने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

**वृष**  
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।

**वृश्चिक**  
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अडचनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रतासुगमता से बने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**मिथुन**  
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रतासुगमता से बने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होगा।

**धनु**  
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी और पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

**कर्क**  
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बने लगेंगे। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

**मकर**  
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बने कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

**सिंह**  
घर-परिवार कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अडचनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**कुंभ**  
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**  
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन प्राप्त होगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

**मीन**  
नवीन कार्यों में आ रही अडचनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।